

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सत्वी खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -06

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 09 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2022 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

मुख्यमंत्री साय से इसरो के वैज्ञानिकों ने की सौजन्य भेंट

इसरो की उपलब्धियाँ प्रत्येक भारतवासी के लिए गर्व का विषय : मुख्यमंत्री साय

इसरो की यात्रा में छत्तीसगढ़ की भागीदारी, युवाओं के लिए नए अवसर और शासन की कार्यकुशलता बढ़ाने में इसरो की तकनीक के उपयोग पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इसरो अहमदाबाद केंद्र के निदेशक डॉ. एन. एम. देसाई के नेतृत्व में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय और वैज्ञानिकों के बीच इसरो की यात्रा में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को बढ़ाने, राज्य के युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने, शासन के कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए इसरो की तकनीक के उपयोग तथा स्कूलड्रूकॉलेज के विद्यार्थियों के लिए इसरो द्वारा संचालित गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इसरो की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने अंतरिक्ष



विज्ञान के क्षेत्र में जो ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं, वह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नवाचार और तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित कर रही है, ताकि प्रदेश के युवा स्पेस साइंस के प्रति रुचि

लेकर देश के अंतरिक्ष अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इसरो द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए इंटरनेटशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ,

जिससे उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि इसरो की तकनीक का उपयोग कृषि, खनन नियंत्रण, भू-अतिक्रमण की निगरानी तथा धान खरीदी के दौरान अवैध गतिविधियों की

पहचान जैसे कार्यों में प्रभावी रूप से किया जा सकता है।

इस अवसर पर इसरो अहमदाबाद केंद्र के निदेशक डॉ. एन. एम. देसाई ने मुख्यमंत्री को इसरो द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने के लिए इसरो कई अभिनव कार्यक्रम चला रहा है, जिन्हें छत्तीसगढ़ में भी विस्तारित किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश में एक 'स्पेस गैलरी' की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

डॉ. देसाई ने मुख्यमंत्री श्री साय को इसरो अहमदाबाद केंद्र के भ्रमण हेतु आमंत्रित किया और उन्हें इसरो द्वारा हाल ही में लॉन्च किए गए उपग्रहों तथा मिशन चंद्रयान की प्रतिकृतियों स्मृति स्वरूप भेंट कीं।

इसरो के वैज्ञानिक भगवान मधेश्वर की तस्वीर देखकर हुए अभिभूत

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक के दौरान इसरो के वैज्ञानिकों की नजर जब भगवान मधेश्वर की तस्वीर पर पड़ी, तो वे उसे देखकर अभिभूत हो गए। जिज्ञासावश उन्होंने

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से इसके बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मधेश्वर पहाड़ जशपुर जिले में स्थित है, जहाँ भगवान शिव विशाल प्राकृतिक शिवलिंग स्वरूप में पूजे जाते हैं। स्थानीय लोग भगवान शिव के इस स्वरूप की अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी वैज्ञानिकों को भगवान मधेश्वर के छायाचित्र भेंटस्वरूप प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण श्री विजय दयाराम के., संचालक भू-अभिलेख श्री विनीत नंदनवार, इसरो के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. डी. के. पटेल, डॉ. दीपक कुमार सिंह, कलेक्टर श्री गौरव कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

आत्मसमर्पित माओवादियों ने थामी तरक्की की डोर

बीजापुर के 32 पूर्व माओवादियों ने सीखा कुकुटपालन और बकरीपालन का गुर

समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शासन की अभिनव

रायपुर। माओवाद का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे बीजापुर जिले के 32 आत्मसमर्पित माओवादियों ने अब विकास और स्वरोजगार की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इन सभी ने जगदलपुर स्थित क्षेत्रीय स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में एक महीने का कुकुटपालन और बकरीपालन का विशेष प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्व नक्सलियों ने न केवल पशुपालन के वैज्ञानिक तरीके सीखे, बल्कि एक सफल उद्यमी बनने की बारीकियों को भी जाना। एक माह



की गहन ट्रेनिंग में आत्मसमर्पित माओवादियों को कुकुटपालन और बकरीपालन से संबंधित हर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। यहां उन्होंने उन्नत नस्लों का चयन, चारा प्रबंधन और संतुलित आहार की जानकारी, टीकाकरण, रोगों की पहचान और उपचार के तरीके के

साथ सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, ऋण प्राप्त करने और अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की रणनीति के संबंध में प्रशिक्षण लिया।

प्रशिक्षण लेने वाले एक आत्मसमर्पित माओवादी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जंगल में

जीवन बहुत मुश्किल और खाली था। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जो पुनर्वास नीति बनाई गई है, वह एक अभिनव प्रयास है। जिससे अब हम अपने हाथों से काम करके

परिवार के लिए एक स्थिर और सम्मानजनक जीवन-यापन कर सकते हैं। सरकार के इस कदम से हमें बहुत हिम्मत मिली है।

सुरक्षा बलों के कैपों के खुलने से अब शासन की योजनाएं भी गांव-गांव पहुंचने लगी हैं। इनमें माओवाद प्रभावित गांवों के विकास के लिए विशेष रूप से चलाई जा रही नियद नेछानार योजना ने पूर्व माओवादियों के बीच आत्मविश्वास को बढ़ाया है। आत्मसमर्पित माओवादियों को अब यह लगने लगा है कि जब उनके गांवों में समृद्धि आएगी, तो उनके स्वरोजगार के रास्ते भी आसान होंगे। गांव में बुनियादी सुविधाओं के विकास और बाजार तक पहुंच बनने से उनके कुकुटपालन और बकरीपालन जैसे व्यवसायों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

यह पहल छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति का हिस्सा है,

जिसका उद्देश्य आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को सम्मानजनक आजीविका के साधन प्रदान करना है।

अधिकारियों के अनुसार यह प्रशिक्षण इन 32 पूर्व माओवादियों को जल्द ही स्वरोजगार स्थापित करने में मदद करेगा। उन्हें न केवल प्रशिक्षण दिए गए हैं, बल्कि वित्तीय सहायता और बैंक ऋण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है। साथ ही प्रशिक्षण उपरान्त इन्हें लगातार मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए स्थानीय मैदानी अमले की सहायता भी मिलेगी। बीजापुर के इन 32 पूर्व माओवादियों का कोशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना, बस्तर में शांति और विकास की एक नई मिसाल पेश करता है। यह दिखाता है कि हिंसा और बंदूक छोड़ने वाले हर व्यक्ति के लिए हुनर और सम्मान भरा भविष्य इंतजार कर रहा है।

जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्मरता की नई मिसाल - पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना



सुभाष के घर का बिजली बिल हुआ कम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ हितग्राहियों को देने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अब आम नागरिकों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बनकर उभर रही है। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से संचालित यह योजना न केवल आम उपभोक्ताओं की बिजली पर निर्भरता घटा रही है, बल्कि हर घर में हरित ऊर्जा का संचार कर रही है। राज्य सरकार की अतिरिक्त सस्मिडी ने सोलर पैनल लगवाना और भी किफायती बना दिया है। इसी योजना से प्रेरित होकर पथलगांव निवासी श्री सुभाष सिंह, जो एलआईसी में कार्यरत थे और कुछ वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं, ने अपने मकान की छत पर 3 केवी क्षमता वाला सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है।

नारायणपुर-अबूझमाड़ को महाराष्ट्र से जोड़ेगा नेशनल हाईवे 130-डी

कुतुल से नीलांगुर महाराष्ट्र बॉर्डर तक एनएच-130-डी का होगा निर्माण

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए सरकार सतत प्रयासरत - मुख्यमंत्री साय



रायपुर। बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी के निर्माण को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने कुतुल से नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक 21.5 किलोमीटर हिस्से के निर्माण के लिए न्यूनतम टेंडर डेड प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस सड़क के निर्माण के लिए न्यूनतम टेंडर देने वाले ठेकेदार से अनुबंध की प्रक्रिया शर्तों सहित पूरी करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा प्रमुख अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र रायपुर को दिए गए हैं। कुल तीन खंडों में निर्मित होने वाले 21.5 किलोमीटर सड़क के निर्माण हेतु लगभग 152 करोड़ रुपए न्यूनतम टेंडर दर प्राप्त हुई है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है। यह उल्लेखनीय है कि कुतुल, नारायणपुर

जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित है और कुतुल से महाराष्ट्र सीमा पर स्थित नीलांगुर की दूरी 21.5 किलोमीटर है। यह नेशनल हाईवे 130-डी का हिस्सा है। इस सड़क का निर्माण टू-लेन पेव्ड शोल्डर सहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एनएच-130डी राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। यह एनएच-30 का शाखा मार्ग (स्पर रूट) है। यह कोण्डागांव से शुरू होकर नारायणपुर, कुतुल होते हुए नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक जाता है। आगे महाराष्ट्र में यह बिर्गुंडा, लहरे, धोदराज, भमरागढ़, हेमा, लकासा होते हुए आलापल्ली तक पहुंचता है, जहाँ यह एनएच-353डी से जुड़ जाता है। इस मार्ग के

विकसित होने से बस्तर क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ जाएगा और व्यापार, पर्यटन एवं सुरक्षा को बड़ी मजबूती प्राप्त होगी। नेशनल हाईवे 130-डी का कोण्डागांव से नारायणपुर तक का लगभग 50 किमी हिस्सा निर्माणाधीन है। नारायणपुर से कुतुल की दूरी 50 किमी है और वहाँ से महाराष्ट्र सीमा स्थित नीलांगुर तक 21.5 किमी की दूरी है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 195 किमी है, जिसमें से लगभग 122 किमी का हिस्सा कोण्डागांव-नारायणपुर से कुतुल होते हुए नीलांगुर तक छत्तीसगढ़ राज्य में आता है। इस सड़क के बन जाने से बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से सीधा और मजबूत सड़क संपर्क मिलेगा।

मुंबई हमले का जवाब देना चाहती थी सेना-मोदी

कांग्रेस ने विदेशी दबाव में रोक दिया, आतंकियों के सामने घुटने टेके - पीएम

मुंबई। पीएम मोदी बुधवार को दो दिन के मुंबई दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स का इनांगरेशन किया और संबोधन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 2008 में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई न कर कमजोरी का संदेश दिया था और आतंकियों के सामने घुटने टेके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार ने विदेशी दबाव में ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन के दौरान कही।

पीएम ने मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम का नाम लिए बिना उनके बयान का जिक्र किया। 30 सितंबर को चिदंबरम ने कहा, 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक की कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। पूरी खबर पढ़ें



पीएम ने 22 मिनट की स्पीच में ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत का जिक्र किया। गुरुवार को वे ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

2008 में कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया: साधियों मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका।

सेमवती सिंह : आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई मिसाल

स्व-सहायता समूह से जुड़कर गाँव में बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने वाली प्रेरणादायी महिला

एमसीबी। मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के ग्राम कछोड़ की रहने वाली सेमवती सिंह आज महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण की जीती-जागती मिसाल बन चुकी हैं। एक साधारण ग्रामीण महिला से लेकर बैंकिंग सेवाएँ गाँव-गाँव पहुँचाने वाली बीसी सखी बनने तक की उनकी यात्रा बेहद प्रेरणादायी है।

वचत से शुरू हुई नई राह

वर्ष 2017 में सेमवती ने जय माँ जगदम्बा महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी नई शुरुआत की। उनका उद्देश्य था दृ छोटी-छोटी बचतों को जोड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना और आगे कुछ बड़ा करना। समूह की बैठकों में उनकी सक्रियता, मेहनत और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें बैंक सखी के रूप में चयनित किया गया। दस दिन का विशेष प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें ग्राम संगठन से 68 हजार रुपये का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने लैपटॉप



और प्रिंटर खरीदा और डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की।

तकनीक और सेवा से बढ़ी पहुंच

सेमवती का काम धीरे-धीरे गाँव में फैलने लगा। उनकी बढ़ती सेवाओं को देखते हुए उन्हें माइक्रो एटीएम भी उपलब्ध कराया गया। आज उनके माध्यम से हर माह लगभग 500 लेनदेन संपन्न होते हैं, जिनसे उन्हें 5 से 6 हजार रुपये की मासिक आय हो जाती है। उन्होंने अपनी इस आय को आगे बढ़ाते हुए एक किराना दुकान भी खोली, जिससे उन्हें लगभग 15 हजार

रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इस तरह उनकी कुल मासिक आय अब 20 हजार रुपये तक पहुँच चुकी है। वर्ष 2018 में सेमवती छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की बीसी सखी बनीं। इस भूमिका में उन्होंने अपने गाँव के लोगों को घर-घर जाकर बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराना शुरू किया। अब ग्रामीणों को खाता खोलने, राशि जमा और निकासी के लिए दूर-दराज बैंक शाखा तक नहीं जाना पड़ता। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं से सैकड़ों ग्रामीणों को जोड़ा।

महतारी वंदन योजना: दीपावली के पहले मिली राशि ने त्यौहार के उत्साह को किया दुगुना कोटा की उर्वशी और सुशीला ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

जांजगीर चांपा

जिले के कोटा ब्लॉक के आदिवासी अंचलों की महिलाएं शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ने जरूरतमन्द महिलाओं को भी बड़ा आर्थिक संबल दिया है। योजना से उनके जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। दीपावली के पहले योजना की 20 वीं किश्त मिलने से महिलाओं में पर्व का उत्साह दुगुना हो गया है। कोटा के सुदूर गांव की निवासी महिलाओं ने संवेदनशील योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

कोटा ब्लॉक के विचारपुर पंचायत के आश्रित ग्राम जुरेली की सुशीला बाई पहले अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करती थीं। घर की आय सीमित होने के कारण तीन बच्चों के परिवार में अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया



माह 1000 रूपए की राशि मिलने लगी तब से उन्हें राहत मिली है। सुशीला कहती हैं कि अब मुझे महीने की शुरुआत में ही राहत महसूस होती है क्योंकि राशन के कुछ खर्च ,बच्चों की जरूरतें और घर की छोटी-मोटी चीजें आसानी से अब महतारी वंदन से मिलने वाली राशि से पूरी हो जाती हैं। दशहरा दिवाली पर्व के पहले मिली यह राशि हमारे लिए खुशियों की सीगात की तरह है।

इसी तरह ग्राम सिलपहरी की श्रीमती उर्वशी भानू कहती है कि वे स्व-सहायता

कि जब से उन्हें महतारी वंदन योजना से हर

समूह से जुड़कर अपने परिवार की आय में



सहयोग देती हैं लेकिन फिर भी घर के खर्च पूरे करना आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली सहायता राशि ने उन्हें आर्थिक रूप से और मजबूत किया है।

उर्वशी कहती हैं यह राशि मेरे लिए किसी उपहार से कम नहीं' इससे मैं अपनी जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई की छोटी छोटी जरूरतों को भी पूरा कर पाती हूँ। उर्वशी खुशी से कहती हैं कि मुख्यमंत्री जी ने हम गरीब महिलाओं को सच में सुध ली है जिसके लिए हम उनके आभारी हैं।

मशरूम स्पॉन उत्पादन तकनीक विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण



बिलासपुर

कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ गीत शर्मा के मार्गदर्शन में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मशरूम स्पॉन उत्पादन से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे शुद्ध कल्चर एवं व्यावसायिक मशरूम स्पॉन उत्पादन, प्रयोगशाला में विभिन्न उपकरणों का उपयोग एवं सावधानियां, मशरूम स्पॉन इकाई के लिए उद्यमिता के अवसर और लागत लाभ विश्लेषण इत्यादि पर तकनीकी एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान

केंद्र के सम्पन्न हुआ । उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त वैज्ञानिक गण डॉ शिल्पा कौशिक, जयंत साहू, डॉ. एकता ताम्रकार, हेमकांति बंजारे, इंजी. पंकज मिंज, डॉ निवेदिता पाठक, डॉ स्वाति शर्मा एवं डॉ. चंचला रानी पटेल ने कृषक प्रशिक्षणार्थियों को संबंधित विषयों की विस्तारपूर्वक तकनीकी जानकारी प्रदान की। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के मशरूम उत्पादन ईकाई की संपूर्ण जानकारी दी गई किेन्द्र के सफल कृषकों द्वारा अपनाए जा रहे मॉडल की भी जानकारी दी गई कुल 25 कृषक प्रशिक्षणार्थियों ने सफलता पूर्वक भाग लिया।

सक्ती जिले के RKM प्लांट में हुआ बड़ा हादसा, 4 लोगों की दर्दनाक मौत, 7 घायल

सक्ती

जिले के डभरा थाना क्षेत्र में संचालित ऋरू पावर प्लांट में बड़ा हादसा हुआ है। इस हादसे में 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं 7 लोगों के घायल होने की खबर है। इस हादसे के बाद मजदूरों में हड़कंप मच गया और प्रबंधन के खिलाफमोर्चा खोल दिया है।

घटना की खबर मिलते ही जांजगीर चांपा सांसद कमलेश जांगड़े ने घटना की जानकारी लेते हुए मृत व्यक्ति के परिजनों के प्रति दुःख व्यक्त किया है और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की बात कही है वहीं घटना की जांच कराते हुए दोषियों के खिलाफकार्रवाई करने की भी बात कही है। आपको बता दे ऋरू प्लांट में लगे लिफ्ट के गिर जाने से यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि रोज की तरह मजदूर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान प्लांट में लगे लिफ्ट के सहारे पांचवें मंजिल की ओर जा रहे थे तभी लिफ्ट में लगा केवल टूट गया और लिफ्ट मशीन सीधे नीचे गिर गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि घटनास्थल



पर ही दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के

दौरान दो और मजदूरों को मौत होने की खबर सामने आई है। घायल हुए सभी मजदूरों का उपचार रायगढ़ के जंजिल अस्पताल में किया

जांजगीर चांपा

सिवनी चांपा के प्रतिष्ठित जायसवाल चौधरी परिवार की पूजनीय माता, धर्मनिष्ठा और सेवा-भाव की प्रतिमूर्ति स्व. श्रीमती श्याम बाई जायसवाल जी का दिनांक 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार रात्रि लगभग 11 बजे अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर में उपचार के दौरान देहावसान हो गया। वे 84 वर्ष की थीं और लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं ।

उनके निधन से न केवल जायसवाल परिवार बल्कि संपूर्ण सिवनी चांपा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे स्वर्गीय जनक राम जायसवाल जी की धर्मपत्नी थीं, जो अपने समय के अत्यंत सम्मानित, समाजसेवी और सरल

रोजगार दिवस पर ग्रामीणों को मिली यूआर कोड प्रणाली की जानकारी

जांजगीर चांपा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत पारदर्शिता और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में एक नई डिजिटल पहल की शुरुआत की गई है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 7 अक्टूबर 2025 को आयोजित रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को क्यूआर कोड प्रणाली की जानकारी दी गई। इस पहल के तहत अब ग्रामीण अपने मोबाइल फोन से पंचायत भवन या अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर पंचायत से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। इनमें पिछले तीन वर्षों के स्वीकृत कार्यों की सूची, व्यय राशि, प्रगतिरत कार्य, जाँच कार्डधारियों की संख्या और कुल सृजित मानव दिवस जैसी जानकारी शामिल है। यह नवाचार कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। जिले की सभी पंचायतों में पंचायत भवन सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर क्यूआर कोड चस्पा कर दिए गए हैं। ग्रामीणों को भविष्य के विकास कार्यों की दिशा, परिसंपत्तियों के निर्माण में उनकी सहभागिता, पौधारोपण, जल संरक्षण, कृषि आधारित परिसंपत्तियों और जाँच कार्ड से जुड़ी जानकारी भी दी गई।



श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी350 वॉ शहीदी साल को समर्पित शहीदी यात्रा पत्थलगांव पहुंचने पर सिख संगत ने किया भव्य स्वागत

पत्थलगांव

सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी 350 वॉ शहीदी साल को समर्पित शहीदी यात्रा छत्तीसगढ़-03 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक निकाली जा रही है 8 अक्टूबर को पत्थल गांव पहुंचने पर गुरु सिंघ सभा एवं समस्त संगत ने किया स्वागत सिखों के नवे गुरु गुरु तेग बहादुर के 350 साल शहीदी पूरे होने पर रायपुर से शहीदी यात्रा प्रदेश सिख समाज द्वारा रायपुर से निकाली गई पत्थलगांव 8 तारीख को दर्शन कराए जा रहे थे पत्थलगांव अंबिकापुर रोड से सुखरापारा पहुंचने पर पत्थलगांव



गुरु सिंघ सभा अध्यक्ष हरजीत सिंह भाटिया एवं समस्त सिखसंगत द्वारा स्वागत किया गया जिसमें पंच प्यारे गुरु ग्रंथसाहिब एवं गुरु तेग बहादुर जी के शस्त्र यात्रा में दर्शन कराए जा रहे थे पत्थलगांव अंबिकापुर रोड से गुरद्वारा तक नगर कीर्तन के

साथ स्वागत करके लाया गया गुरुद्वारा में कीर्तन दरबार लगा पंच प्यारों का स्वागत एवं छत्तीसगढ़ सिख समाज के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा का स्वागत गुरु का आशीर्वाद सिरोपा भेंटकर किया गया तत्पश्चात गुरु का लंगर बरता यात्रा रायगढ़ के लिए रवाना हुई।

आर.के. चौहान पर कार्रवाई के बाद पखांजुर में रिक्त हुए कार्यपालन अभियंता पद पर स्थायी नियुक्ति नहीं

पखांजूर

निर्लिबत कार्यपालन अभियंता आर.के. चौहान पर की गई विभागीय कार्रवाई के बाद रिक्त हुए पद पर अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाना अब लोगों के बीच महज एक दिखावा बनकर रह गई है। दैनिक श्रम बिंदु द्वारा लगातार उजागर की गई अनियमितताओं में आर.के. चौहान के सहायक अभियंता रहते हुए सीएसपीडीसीएल कंपनी को ठेकेदारों से मिलीभगत कर भारी नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया था।

जांच में दोषी पाए जाने के बाद विभाग ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्लिबत कर दिया था लेकिन यह कार्रवाई दंडात्मक नजर नहीं आ रही है। विभाग में रिक्त हुए पद पर अब तक उच्च अधिकारियों द्वारा स्थायी कार्यपालन अभियंता की नियुक्ति नहीं की गई है। मुआवजा दिलाने की बात कही है, वहीं विभाग में पदस्थ सुरेश ठाकुर को पखांजूर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जिसके चलते विद्युत



विभाग की कार्यप्रणाली अस्त-व्यस्त हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पखांजूर जैसे बड़े क्षेत्र में स्थायी अभियंता की नियुक्ति न होना आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन गया है। स्थानीय संदीप साहा, राजेश दास, बिक्री बैनर्जी, आकाश पोद्दार, विप्लव हालदार और विभाष कुमार ने कहा कि बिजली विभाग की सुचारु व्यवस्था के लिए स्थायी अधिकारी की आवश्यकता है ताकि किसी भी

गोदावरी इस्पात प्राइवेट लिमिटेड पर अवैध वृक्ष कटाई का आरोप

शिवसेना छत्तीसगढ़ ने की कार्रवाई की मांग

रायपुर



अवैध कटाई एवं वन भूमि पर अवैध सड़क निर्माण का गंभीर मामला।

पार्टी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस अवैध गतिविधि से न केवल पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाई गई है, बल्कि वन कानूनों का भी उल्लंघन हुआ है। शिवसेना छत्तीसगढ़ ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच एवं कंपनी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. आनंद मल्होत्रा ने कहा कि यदि सरकार और संबंधित विभाग इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं करते हैं, तो शिवसेना छत्तीसगढ़

आंदोलन करने पर बाध्य होगी। इसके तहत प्रदेशभर के सभी जिलों में धरना-प्रदर्शन एवं जनआंदोलन के माध्यम से जनता की आवाज को उठाया जाएगा। पार्टी प्रवक्ता प्रेमशंकर महिलांगे ने कहा कि मीडिया समाज का चौथा स्तंभ है, और इस मुद्दे को जनता एवं सरकार तक पहुंचाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने पिट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों से इस विषय पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

शिवसेना छत्तीसगढ़ का स्पष्ट संदेश: यदि पर्यावरण और

पेंशन योजनाओं के हितग्राही शीघ्र कराएं मोबाइल एप से सत्यापन

बिलासपुर। भारत सरकार ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का सत्यापन के लिये मोबाईल एप ‘‘बेनिफिशियरी सत्यापन ऐप’’ तैयार कराया गया है। जिसके माध्यम से प्रथम चरण में केन्द्रीय पेंशन योजनाओं-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांगजनो का मोबाइल एप के माध्यम से सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। किन्तु अब तक पेंशनधारियों द्वारा सत्यापन का कार्य नहीं कराया गया है। ऐसे केन्द्रीय पेंशनधारी योजनाओं के हितग्राही का पेंशन वितरण प्रभावित हो सकता है।

खास खबर

स्वच्छ भारत मिशन राज्य

सलाहकार ने जिले में स्वच्छता

कार्यों का किया निरीक्षण

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार ने जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर स्वच्छता से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायका लिया। मिशन की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने तखतपुर के विभिन्न गांवों में स्वच्छता कार्यों, शौचालय निर्माण व अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने की अपील की और साफ रहोगे, स्वस्थ रहोगे का संदेश दिया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने आज तखतपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत भरनी, चोरभट्टी खुर्द, पोड़ीभरनी, निरतु एवं घुटकु का दौरा किया। उन्होंने इन ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों तथा गांवों में चल रहे कचरा संग्रहण कार्यों का गहन निरीक्षण किया और स्वच्छाग्रहियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता मिशन केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि गांव को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने गांव-गांव में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के

तकनीकी खराबी या बिजली बाधा की स्थिति में तुरंत कार्यवाही हो सके।

सूचों के अनुसार सहायक अभियंता वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं जो सब स्टेशन से काफी दूरी पर है। इससे सब स्टेशन में किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान में आने जाने में विलंब हो रहा है। वहीं निर्लिबत अधिकारी आर.के. चौहान का डेरा अब भी विभाग के सरकारी क्वार्टर में कायम है उन्हें बिलासपुर अटैच किया गया है।

अमर दास ने बताया कि जिस अधिकारी को वित्तीय अनियमितता के कारण तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है उसी भ्रष्ट अधिकारी के लिए सरकारी क्वार्टर का आबंटन अब तक रद्द नहीं हुआ है यह सवाल खड़ा करता है कि विभाग आखिर चुप क्यों है। आर के चौहान न केवल सरकारी क्वार्टर में जमे हुए हैं बल्कि एक पेट्रोल पंप पर भी देखे जाते हैं जो कथित तौर पर उनके नज्दीकी रिश्तेदार के नाम पर संचालित है।



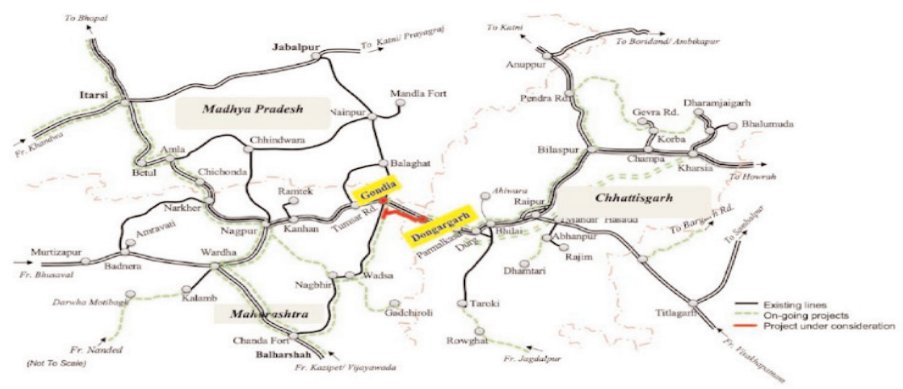
गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी रेल लाइन परियोजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज भारतीय रेलवे की चार मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल अनुमानित लागत ₹24,634 करोड़ रुपये है । इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी ।

इन चार परियोजनाओं में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया-डोंगरगढ़ खंड (84 किलोमीटर, ₹2,223 करोड़) की चौथी रेल लाइन परियोजना भी शामिल है, जो महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्यों से होकर गुजरती है । यह खंड पूर्व, मध्य और पश्चिम भारत को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यात्री एवं माल यातायात मार्ग पर स्थित है । यह परियोजना राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) और गोंदिया

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य को मिलेगा लाभ



Gondia – Dongargarh 4th line

(महाराष्ट्र) जिलों से होकर गुजरती है, जिनमें से राजनांदगांव एक आकांक्षी जिला है । इस खंड से हज़ारा जलप्रपात, नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान, बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ़ धारा रिजर्व फ़ॉरेस्ट जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को भी बेहतर रेल

संपर्क मिलेगा, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को नया प्रोत्साहन मिलेगा । परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ: – मार्ग लंबाई: 84 किलोमीटर – अनुमानित लागत: ₹2,223 करोड़

– निर्माण अवधि: 5 वर्ष – रेलवे पुलों की संख्या: 15 मेजर एवं 123 माइनर – टनल: 1 – रोड ओवर ब्रिज: 3 – रोड अंडर ब्रिज: 22 – अतिरिक्त माल यातायात

क्षत्रिय जागरण: आत्मगौरव से सामाजिक परिवर्तन तक का लोकार्पण



बेंगलुरु

बेंगलुरु। भारतीय राजपुताना सेवा संगठन, बेंगलुरु द्वारा आयोजित दशहरा मिलन समारोह ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बना, जब संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार की बहुप्रतीक्षित पुस्तक क्षत्रिय जागरण आत्मगौरव से सामाजिक परिवर्तन तक का लोकार्पण किया गया ।

इस गरिमामयी अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के डीआईजी अमरिंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगठन के पदाधिकारी और समाज के वरिष्ठजन बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक शस्त्र पूजा से हुआ, जिससे आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

पुस्तक क्षत्रिय जागरण क्षत्रिय समाज के गौरवशाली इतिहास, आत्मगौरव और स्वाभिमान को, आंदम में रखकर वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालती है। इसमें युवाओं के

लिए मार्गदर्शन, नेतृत्व की आवश्यकता और संगठन की भूमिका पर विशेष बल दिया गया है। लेखक का मत है कि — क्षत्रिय होना केवल वंश की पहचान नहीं, बल्कि यह एक विचार और जिम्मेदारी है, जिसे कर्म, प्रारकम और समाज सेवा से सिद्ध किया जाना चाहिए।

संगठन ने बताया कि यह कृति न केवल क्षत्रिय समाज, बल्कि सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी। पुस्तक समाज को यह संदेश देती है कि आत्मगौरव तभी सार्थक है, जब उससे सामाजिक परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़े।

मुख्य अतिथि अमरिंदर सिंह ने कहा, क्षत्रिय समाज का इतिहास शौर्य और बलिदान से भरा हुआ है। आज आवश्यकता है कि उसी भावना को जीवित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा, संगठन और नेतृत्व की राह पर आगे बढ़ाया जाए। यह पुस्तक उसी दिशा में एक सराहनीय पहल है। समारोह के अंत में उपस्थित अतिथियों ने इस साहित्यिक और सामाजिक प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे समाज की एकता और जागरूकता का प्रतीक बताया।

आरपीएफ़ एनडीआरएफऔर आईआरआईडीएम के बीच रेलवे आपदा प्रतिक्रिया तथा गोल्डन आवर तत्परता को सुदृढ़ करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

बिलासपुर

आज रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एडीआरएफ) तथा भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान , बेंगलुरु के मध्य त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए । यह हस्ताक्षर समारोह रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली स्थित पंचवटी कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित किया गया ।

यह समझौता ज्ञापन बी. वी. राव, आईजी (प्रशिक्षण), आरपीएफ नरेंद्र सिंह बुंदेला, आईजी, एनडीआरएफ़ तथा श्रीनिवास, निदेशक, आईआरआईडीएम द्वारा निष्पादित किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रेक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) (स्क्राफ़्) आर. राजगोपाल; डीजी/एचआर अरुणा नायर; डीजी/एनडीआरएफ पिपुष आनंद; डीजी/आरपीएफ सोनाली मिश्रा.एनडीआरएफ एवं आरपीएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे ।

यह साझेदारी रेलवे दुर्घटना परिदृश्यों के अनुरूप राहत कार्यों एवं क्षमता निर्माण के लिए एक स्पष्ट संस्थागत ढांचा स्थापित करती है, जिसमें गोल्डन आवर के दौरान जीवन बचाने पर विशेष जोर दिया गया है ।



रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने कहा कि सभी हितधारकों के बीच प्रभावी सहयोग और समन्वय होना चाहिए तथा इस संबंध में एसओपी तैयार किए जाने चाहिए । अपने संबोधन में रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रेक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) आर. राजगोपाल ने कहा कि मानवकृत आपदा के अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात, अत्यधिक वर्षा तथा लू पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए । उन्होंने जेआरआरपीएफ अकादमी और आईआरआईडीएम की क्षमता

निर्माण संबंधी पहलों की सराहना की, विशेषकर गोल्डन आवर पर केंद्रित बचाव एवं राहत कार्यों के संदर्भ में ।

अपने संबोधन में डीजी/एनडीआरएफ पिपुष आनंद ने जोर देकर कहा कि आपदा प्रभाव न्यूनीकरण में संलग्न सभी एजेंसियों को एक टीम के रूप में कार्य करना चाहिए । उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि रेलवे की अन्य एजेंसियों को भी क्षमता निर्माण के प्रयासों में शामिल किया जाना चाहिए ।

यह सहयोग राष्ट्रीय रेलवे आपदा तत्परता

को सुदृढ़ करने हेतु एक स्केलेबल और पुनरावृत्त योग्य तंत्र को कार्यान्वित करता है जिससे यात्रियों एवं कर्मचारियों को हर मिनट महत्वपूर्ण होने की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित और अधिक समन्वित राहत उपलब्ध कराई जा सके ।

मुख्य विशेषताएँ

गोल्डन आवर बचाव परिणामों पर मुख्य ध्यान: प्रत्येक ड्रिल और प्रोटोकॉल का उद्देश्य महत्वपूर्ण मिनटों को कम करना है ताकि कोच से त्वरित पहुँच, प्राथमिक उपचार और निकासी सुनिश्चित हो सके । रेलवे-विशिष्ट प्रथम प्रतिक्रिया: आरपीएफ कोच एवं ट्रेक उन्मुख विशेष क्षमताओं का निर्माण करेगा- विशेषकर संकुचित स्थानों में बचाव – ताकि घटना स्थल पर प्रथम कार्यवाही सही हो ।

मानकीकृत, साझा कोच-निकासी एसओपी: आईआरआईडीएम प्रवेश क्रम, स्थिरीकरण, कटिंग प्लान, रोगी पैकेजिंग और हैंडओवर को संरेखित करेगा। डिज़ाइन द्वारा अंत:क्रियाशीलता: साझा रेडियो शिक्षाचार, चेकलिस्ट और संयुक्त स्थल-समन्वय ड्रिल्स से यह सुनिश्चित होगा कि एजेंसियाँ बचाव एवं राहत कार्यों के दौरान एकीकृत इकाई के रूप में कार्य करें।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आज स्वच्छ पटरी थीम पर मंडल के सभी स्टेशनों के प्लेटफार्म के पटरीयों पर गहन सफाई अभियान चलाई गई

बिलासपुर

भारतीय रेलवे में स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक आयोजित इस स्वच्छता पखवाड़ा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 07 अक्टूबर को स्वच्छ पटरी थीम पर मंडल के सभी स्टेशनों के प्लेटफर्म के पटरीयों पर श्रमदान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाई गई। मंडल के नामित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों द्वारा मंडल के प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफर्मों की पटरियों में स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया। मंडल के बिलासपुर, उस्लापुर, रायगढ़, चांपा, कोरबा, शहडोल, उमरिया, अनुपपुर, पेंडुरोड सहित सभी प्रमुख स्टेशनों के साथ ही साथ छोटे-छोटे स्टेशनों में भी



स्वच्छता अभियान के तहत प्लेटफर्म के पटरीयों की विशेष साफ-सफाई की गई। पटरीयों के आसपास के घास की कटाई, ड्रेनेज प्रणाली की सफाई, प्लास्टिक कचरों का निष्पादन, पाइप लाइन का निरीक्षण करने के अलावा प्लेटफर्म के शौचालयों में बेहतर सफाई सुनिश्चित की गई ।

निरीक्षण के दौरान प्लेटफर्म में उपलब्ध सभी सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता से संबंधित दिशा निर्देश दिये गए। यात्रियों से कचरे को प्लेटफर्म, पानी निकासी की जगह, पटरीयों पर ना फेंकने और डस्टबीन के उपयोग करने की अपील की गई। इसके साथ ही

यात्रियों को बताया गया की पानी की खाली बोतल पटरी पर न फेके, इन बोटलों को बोटल क्रशर मशीन में डालें। पटरीयों के आसपास के लोगों को खुले में शौच नहीं करने एवं यात्रियों को स्टेशन परिसर स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के प्रति जागरूक भी किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत कल दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ कार्य स्थल व स्वच्छ आवासीय परिसर थीम पर मंडल के सभी स्टेशनों आवासीय परिसरों, रेलवे कालोनियों एवं सभी कार्यालयों में विशेष साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

खास खबर

बच्चों में कफसिरफउपयोग हेतु एडवाइजरी जारी

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सदी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही, यह दवाएं सामान्यतः 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भी अनुशंसित नहीं हैं। यह कदम शिशुओं को संभावित दुष्प्रभावों से बचाने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का एडवाइजरी जारी होते ही बेमेतरा स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए जिला के सिविल सर्जनों ,एवं सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार की इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा इस संबंध में एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खांसी या सदी की दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय परामर्श पर आधारित होना चाहिए, विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में बच्चों में खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियाँ अपने आप ठीक हो जाती हैं।



ईश्वरीय अमृत का पान कराया था। अतः शरद पूर्णिमा की रात्रि का विशेष महत्ेव है। इस रात को चन्द्रमा अपनी 16 कलाओं के साथ पृथ्वी पर शीलता, पोषक शक्ति एवं शान्तिरूपी अमृतवर्षा करता है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंदिर समिति समिति ने शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर खीर के प्रसाद का भाग लगाया एवं सुबह मंगलवार को भक्तों को इसका वितरण किया गया ।

आत्मनिर्भरता विकसित भारत की कुंजी : प्रणव शर्मा समदरिया



बिलासपुर

आत्मनिर्भर भारत सिर्फएक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत की कुंजी है। इसी आत्मबल के सहारे एक दिन भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनेगा। यह बात बिलासपुर जिला ग्रामीण के मंत्री प्रणव शर्मा समदरिया ने कही। वे रतनपुर मंडल में आयोजित आत्मनिर्भर भारत कार्यशला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दो हजार वर्ष पूर्व भारत का विश्व अर्थव्यवस्था में 40 प्रतिशत योगदान था, जब देश में घरेलू उद्योग समृद्धि के चरम पर थे। परंतु विदेशी आक्राताओं की नीतियों ने लघु एवं मध्यम उद्योगों को कमजोर कर दिया, जिससे यह दर घटकर मात्र 2 प्रतिशत रह गई। आजादी के बाद पहली बार देश में राष्ट्रवादी विचारधारा वाली सशक्त सरकार है, जिसने स्वालंबी भारत का

संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सोए हुए आत्मगौरव को जगाया है, और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो आह्वान किया है, उसमें आत्मनिर्भरता ही मूल मंत्र है, उन्होंने कहा। कार्यशाला में मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष तिरिथ यादव, मंडल अध्यक्ष दुर्गा कश्यप, और जिला कार्यसमिति सदस्य रोहणी बेसवाड़े ने भी संबोधन दिया।

बिहार में चुनाव का बिगुल बजते ही जोड़तोड़ में लग गई राजनैतिक पार्टियां



कांतिलाal मांडेत

बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी।

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य और देश मे चुनाव को लेकर अटकलें भी थम गई। बिहार में इस बार दो चरण में मतदान होने जा रहा है। यह पिछले कई वर्षों में सबसे छोटा चुनाव है। बिहार में इस बार एसआईआर सबसे बड़ा फैक्टर है। मतदान सूची से 68.5 लाख नाम हट चुके है। बिहार में राजद और काग्रेस का मुस्लिमो के समर्थन पर ही दोनो दलों का भविष्य टिका है। काग्रेस मुस्लिम मतदाताओ की सबसे बड़ी हितचिंतक है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी भी मुस्लिमो के हितचिंतक होने का दावा करते है। बिहार में इनको भी लगने लगा है कि राजद और काग्रेस सिर्फ दिखावटी बाते करती है। इंडिया गठबंधन के दोनो घटक दल राजद और काग्रेस में बड़ा याराना है। दोनो दल अभी तक अपने हिस्से की सीटें निकालने पर चिंतन कर रहे है,फिर भी संशय है। मुस्लिमो का बड़ा तबका यह समझता है कि तेजस्वी और काग्रेस के राज में राजनीतिक रसूख ज्यादा रहता है। लेकिन सत्ता में आने पर ही वोट देने का सही फायदा है। मुस्लिमो को पुलिस आदि का संरक्षण चाहिए होता है,वह राजद और काग्रेस से मिल जाता है। इसलिए मुस्लिम समाज का झुकाव राजद की तरफ दिखाई देता है। बिहार में काग्रेस का जनाधार नही के बराबर है। मुसलमानों की पहली पसंद काग्रेस दिखती है और दूसरी राजद। लेकिन काग्रेस कई वर्षों से सत्ता से बाहर है। बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा को 74 सीटे मिली थी। 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। जदयू को 43 सीटे और 15.39 प्रतिशत वोट मिले थे। राजद को 75 सीटे मिली थी। और वोट 23.11 प्रतिशत प्राप्त हुए। उधर ,काग्रेस की झोली में 19 सीटे प्राप्त हुई। काग्रेस के मुस्लिम वोट में राजद की संघमारी से बड़ाफायदा मिला था। वामदल और अन्य के हिस्सों में 16-16 सीटे गई थी। बिहार की गणित दलित,ओबिसी और मुस्लिम वोटों पर टिकी हुई है। दावे,वादे और बदलते



समीकरण से मतदाताओ को भांपना मुश्किल होता जा रहा है। जदयू और भाजपा गठबंधन की एनडीए को बिहार से दोनो पार्टी की 12-12 सीटें मिली थी। बिहार में मुस्लिमो की 17.70 प्रतिशत आबादी का वोट शेयर दोनों पार्टियों के हिस्से में जाता है। मुस्लिमपरस्त राजनीति ने भाजपा की सम्भावनाओ को बढ़ा दिया है। बीस सालों से बिहार की राजनीति में अंगद की तरह पैर जमा चुके सुशासन बाबू नीतीशकुमार की बिहार में उज्ज्वल छवि है। लोग नीतीश कुमार की नीतियों के कायल है। उनके शब्दो पर भरोसा करते है। लालू के जंगलराज के बाद तेजस्वी ने अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर नई रणनीति बनाकर पार्टी को 2020 में 75 सीटे दिलाई। बिहार के मतदाताओं पर घोर किया जाए तो ईबीसी की 36 प्रतिशत आबादी के हितों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।बिहार में कुल 63 प्रतिशत ओबिसी-ईबीसी की आबादी ही निर्णायक होगी। एससी -एसटी के 21 प्रतिशत वोट पर राजनैतिक दलों की नजर है। जाति के इस गणित को समझना टेडी खीर है। लेकिन विकास के वादे और

रोजगार पर सत्तारूढ़ दल ने महिलाओ को मदद की है। उससे भी एनडीए को सीधा लाभ मिलेगा। जदयू के पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में वोट शेयर ने घटा था। उसके कई कारण हो सकते है। बिहार की लोकगायिका मैथेली की बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ने की सम्भावना जताई जा रही है। उसके बाद नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसा और विकास के लिए जरूरत बिहार में ज्यादा दिखती है। भाजपा ने ओबोसी, ईबीसी, एसी-एसटी पर भर भरोसा जताया है। राजद,काग्रेस में मुस्लिमो को अपनी तरफ खींचने की कवायद से हिन्दुओ में भ्रुवीकरण हुआ तो उसका फायदा सीधा भाजपा को हो सकता है। जहां तक काग्रेस की बात है तो तेजस्वी ने उसे अपने पीछे दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी की लाख कोशिशों और तेजस्वी की सारी रणनीतियों के बावजूद बिहार में लोगो का ध्यान आकृष्ट तो कर सकते है लेकिन सत्य को पराजित नही जा सकता है। काग्रेस ने राजद की अंगुली पकड़ कर बिहार की राजनीति में भूचाल लाने

की रणनीति के पीछे प्रियंका की चाटुकारिता रही है। दोनो भाई बहन को बिहार में प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा हो गया है। बिहार में काग्रेस पहले से ही कमजोर है। उधर,11 नामो के साथ बिहार में आम आदमी पार्टी ने सूची जारी की है। बिहार में बीजेपी की मैथन बैठक में बिहार के सितिंग विधायको को लेकर चिंतन किया जा रहा है। दायेदारी किसको देनी है इसका मसला केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सुझाव समिती की सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया है और मजबूत उम्मीदवार को तवज्जों दी जा रही है। बीजेपी बिहार में एनडीए के सहयोग से पूरी ताकत झोंकिंगी। शाहबाद और मागध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे। क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी। बिहार में काग्रेस पहले से ही कमजोर स्थिति में है। ऊपर से सीटो के त्याग संशय से चिंतन है। काग्रेस के पास बिहार में मजबूत नेता की जरूरत है। तभी समीकरण सघता नजर आ सकता है। वैसे तो सूबे में तिकाना संघर्ष है। लेकिन चतुष्कोणीय मुकाबला करा सकती है। राजद और काग्रेस की सोदेबाजी पर सबकी नजर है। काग्रेस को अब नाक बचावों की चिंता है। गांधी परिवार की विरासत का भूत लोगो के दिमाग से तीस वर्ष पहले ही उतर चुका था। क्योंकि काग्रेस धरातल पर आ गई। काग्रेस के धुरंधर कहे जाने वाले नेता भी पिछले चुनाव में हार गए। अब असली परीक्षा तो इन दलों की चुनाव में है। सभी के साथ मिलकर प्रत्याशी उतार रहे हैं। हालांकि चुनाव के बीच अभी 38 दिन बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से चुनाव की तैयारी में जुट गए है। राजद और काग्रेस दोनो विरोधी गठबंधन है। काग्रेस के हित राजद से मेल नही खते। राजद काग्रेस खोई हुई राजनीतिक जमीन पर काबिज है। क्योंकि चुनौती भाजपा की है। तीस साल से बिहार में वापसी का सपना देखने वाले राहुल की हकीकत समझ मे आ ही गई। तीसरे पायदान पर खड़ी भाजपा से अपना मुकाबला मान रहे है। चुनाव की बयार अभी उलट चुकी है। काग्रेस डरी हुई है। क्योंकि काग्रेस के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए ठोस मुद्दे नही है। अब तो चुनाव के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

संपादकीय

एक करोड़ महिलाओं की ताकत

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्याित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी भूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का संस्थापन या दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रॉसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही है। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीर्ष क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुःख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुःख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानिंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुःख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म हैं। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने उग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने-जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखोऽनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः। पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए। महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है? यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं। जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये? यमदूत बोले-ये आपको रोकना चाहते हैं। जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं? यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श कर-के पुण्य वायु इन तक पहुंचे तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली। जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे। तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?



योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टैंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इस एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं।

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण,



रोहित कौशिक

पूरे देश में कक्षा एक से आठ तक के शिक्षक इन दिनों भारी मानसिक दबाव झेल रहे हैं। कारण है सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश जिसमें शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी पास करने का आदेश दिया गया है। टीईटी के संबंध में माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपनी जगह सही हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में नियम और कानून के हिसाब से अपना फैसला दिया है। सवाल यह है कि क्या यह फैसला व्यावहारिक है ? सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर अपना फैसला दे दिया है लेकिन देश की संसद क्या कर रही है ? इस मुद्दे पर राजनेता चुप क्यों हैं ? जो शिक्षक पचास या पचपन वर्ष के हो चुके हैं क्या उनके लिए यह फैसला व्यावहारिक है ? पिछले कुछ समय से केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों शिक्षकों पर विभिन्न तरह के दबाव डाल रही हैं। शिक्षा प्रदान करने के अलावा शिक्षकों से हजार काम लिए जा रहे हैं, इसके बावजूद शिक्षकों को पापी सिद्ध करने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अब कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। जिन शिक्षकों की सेवा में पांच साल से अधिक का समय बाकी है, उन्हें दो साल के भीतर टीईटी पास करना होगा।



अगर वे इस अवधि में परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो उन्हें सेवा छोड़नी पड़ेगी या अनिवार्य सेवानिवृत्ति लेनी होगी। हालांकि जिनकी सेवा अवधि पांच साल से कम है उन्हें टीईटी पास करने की बाध्यता नहीं है लेकिन वे प्रमोशन के लिए अयोग्य रहेंगे। यह नियम सरकारी और निजी दोनों शिक्षकों पर लागू होगा। हालांकि फिलहाल अल्पसंख्यक विद्यालयों को इससे छूट दी गई है। इस मुद्दे पर अल्पसंख्यक वाले मामलों को सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच को सौंपा गया है। खबर है कि फैसले का सख्ती से पालन कराया जाएगा। शिक्षकों का कहना है कि पहले जो शिक्षक नियुक्त हुए थे, उनकी भर्ती उस समय के नियम और मानकों के हिसाब से हुई थी। अब सेवा के आखिरी वर्षों में उनसे टीईटी पास करने को कहना न्यायसंगत नहीं है। दरअसल पचास-पचपन की उम्र के बाद इंसान कई तरह के मनोवैज्ञानिक दबाव झेल रहा होता है। इस उम्र में वह पढ़ा तो सकता है लेकिन अगर उससे कहा जाएगा कि आप परीक्षा पास कीजिए नहीं तो आपकी नौकरी चली जाएगी तो उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव और बढ़ जाएगा। यही कारण है सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षक परेशान है। शिक्षकों के लिए समय-

समय पर कई तरह की रिफ्रेश कोर्स चलते रहते हैं। बेहतर होता कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देती। इस तरह का अत्यावहारिक फैसला शिक्षकों पर थोपना उनके साथ अन्याय है। टीईटी के संबंध में यह फैसला कई तरह से व्यावहारिक नहीं है। स्कूलों में बड़ी संख्या में बीएड, बीपीएड, इंटरमीडिएट पास तथा बीटीसी मुक्त शिक्षक हैं। कई शिक्षक मृतक आश्रित कोटे में भी भर्ती हुए हैं। शिक्षकों की भर्ती के मानक अलग अलग समय पर अलग अलग रहे। जैसे उत्तर प्रदेश में 1898 से पहले बारहवी पास और बीटीसी के आधार पर भर्ती हुई। 1999 से इसे स्नातक किया गया, इसमें कुछ बीएड और बीपीएड लोग भी आए। यानी उस समय जो मानक थे उसी के आधार पर शिक्षकों की भर्ती हुई। एक व्यावहारिक दृष्टिकत यह है कि अगर कोई बारहवी पास शिक्षक टीईटी पास करना चाहे तो उसे पहले स्नातक की परीक्षा पास करनी होगी और फिर बीटीसी का प्रशिक्षण लेना होगा, तब जाकर वह टीईटी कर पाएगा। यानी इसमें काफी साल लग जाएंगे। जबकि टीईटी पास करने के लिए सिर्फ दो साल का समय दिया गया है। शायद ही किसी नौकरी में मानक



'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें 'संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में हररोयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

मुद्दा-शिक्षकों पर क्यों लटकी तलवार?

इतनी बार बदले गए हों जितनी बार शिक्षकों की भर्ती में बदले गए हैं। सरकार द्वारा शिक्षकों पर समय-समय पर कई तरह के दबाव बनाए जाते हैं। समाज के कुछ लोग भी यह प्रदर्शित करने से पीछे नहीं हटते कि शिक्षक तो फ़ौ का वेतन ले रहे हैं। ऐसे लोग इस बात को भूल जाते हैं कि शिक्षकों को गांव-गांव मंप धूप, बारिश और बाढ़ में भी काम पर लगा दिया जाता है। अगर स्कूल में बच्चे नहीं आते हैं तो उसमें भी शिक्षकों की गलती निकाल दी जाती है। सवाल यह है कि जानबूझकर शिक्षकों का शोषण करने की कोशिश क्यों की जा रही है ? अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में आशा की एक किरण दिखाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवही हैं और समय-समय पर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। हिमाचल प्रदेश में भी शिक्षकों ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है। हिमाचल प्रदेश सरकार भी इस मुद्दे पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करने जा रही है। देश के कई अन्य राज्यों में भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षकों में नाराजगी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं में समय-समय पर कई तरह की असमानताएँ रही हैं। इन असमानताओं को शिक्षा की समीक्षा से दूर नहीं किया जा सकता है। शिक्षकों की भर्ती किसी अनुकंपा के आधार पर नहीं की गई है। नियम और कानून पर इस अनुसारी ही गई है। इसलिए वे शिक्षकों पर इस नियम को लादना उसके साथ अन्याय होगा। इस समय शिक्षकों की नौकरी बचाने और उन्हें मानसिक तनाव से बचाने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर पहल करनी चाहिए।



वॉर 2 में काम करने को लेकर बोले ऋतिक, हर फिल्म यातना नहीं होती

पिछले महीने ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 रिलीज हुई। फिल्म की काफी तारीफ हुई। इसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिव्यूज मिला। इस फिल्म की पहली किस्त वॉर को रिलीज हुए 6 साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म वॉर 2 की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है।

ऋतिक रोशन की पोस्ट में क्या है?

ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म वॉर 2 के कुछ दृश्य इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा कबीर का किरदार निभाना बहुत अच्छा था। क्योंकि मैं उन्हें पहले से जानता था। उनका किरदार निभाना आसान था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो मैं भी कर सकता था। जैसे कई और करते हैं। यह बिल्कुल इसी तरह था जैसे अभिनेता का किरदार निभाना, अपना काम करें और घर आ जाए। मैंने भी वैसा ही किया। मेरे निर्देशक अयान ने मेरा बहुत साथ दिया। सेट पर वह बहुत एक्टिव रहे। सब कुछ एकदम बढ़िया था। मानो यह सब होना ही था। कोई चिंता नहीं, बस मुझे अपना काम सही से करना था और मैंने किया भी। हर फिल्म एक यातना और आघात नहीं होती। वॉर 2 के बारे में फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के अलावा जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म वॉर का सीकल है। इस फिल्म की कहानी रॉ एजेंट कबीर (ऋतिक रोशन) के आस-पास घूमती है। वह काली कार्टेल को खत्म करने के मिशन पर निकलते हैं। मिशन के दौरान अपने ही मेंटर की हत्या कर देते हैं। इसके बाद उनकी मुश्किलें शुरू होती हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

ऋतिक रोशन का काम

ऋतिक रोशन इससे पहले फिल्म फाइटर (2024) में नजर आए थे। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर थे। सिद्धार्थ आनंद ने इसका निर्देशन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अभी ऋतिक ने किसी नए प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।



मैं चिंकी और मिकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती

कृष्णा श्रॉफ ने एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि छोरिया चली गांव में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहती। जब उनसे पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, 'सच कहूँ तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम

लेना हो, तो मैं चिंकी और मिकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, 'इमानदारी से कहूँ तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की

रियलिटी शो छोरिया चली गांव को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली टॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रही। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई।

सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूँ। शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की माँ आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं। वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।



कांतारा चैप्टर 1 की सफलता पर भावुक हुए ऋषभ

साल 2022 में रिलीज हुई 'कांतारा' फिल्म की अगली कड़ी 'कांतारा चैप्टर 1' रिलीज हो चुकी है। ऋषभ शेट्टी निर्देशित 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन ही 60 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन भी यह शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों का, फैंस का शुक्रिया अदा किया है।

24 घंटे में बिके 1 मिलियन से अधिक टिकट 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम पूरे देश में गुंज रही है। 24 घंटों में 1.28 मिलियन से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने साल 2025 में पहले दिन बुकमॉयशोइन पर सबसे ज्यादा टिकट बिकी दर्ज की है।

ऋषभ ने शुरुआती दौर के स्ट्रगल का जिक्र किया



ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही अपना एक पुराना टवीट भी शेयर किया है। जिसमें वह अपने स्ट्रगल का जिक्र करते हैं।

ऋषभ शेट्टी ने पुराने टवीट में लिखा है, '2016 में एक ईवनिंग शो पाने के लिए संघर्ष करने से लेकर 2025 में 5000 से ज्यादा हाउसफुल शो तक का सफर। यह सफर आपके प्यार, सपोर्ट और भगवान की कृपा के अलावा और कुछ नहीं है। इसे संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति का हमेशा आभारी रहूंगा।'

फिल्म को ऑनलाइन शेयर ना करने की गुजारिश की

अभिनेता, निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों से गुजारिश की है कि फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के वीडियो रिकॉर्ड करके ऑनलाइन शेयर ना करें। वह एक अन्य एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया है। हम आपसे गुजारिश करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर/रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें।'



कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज

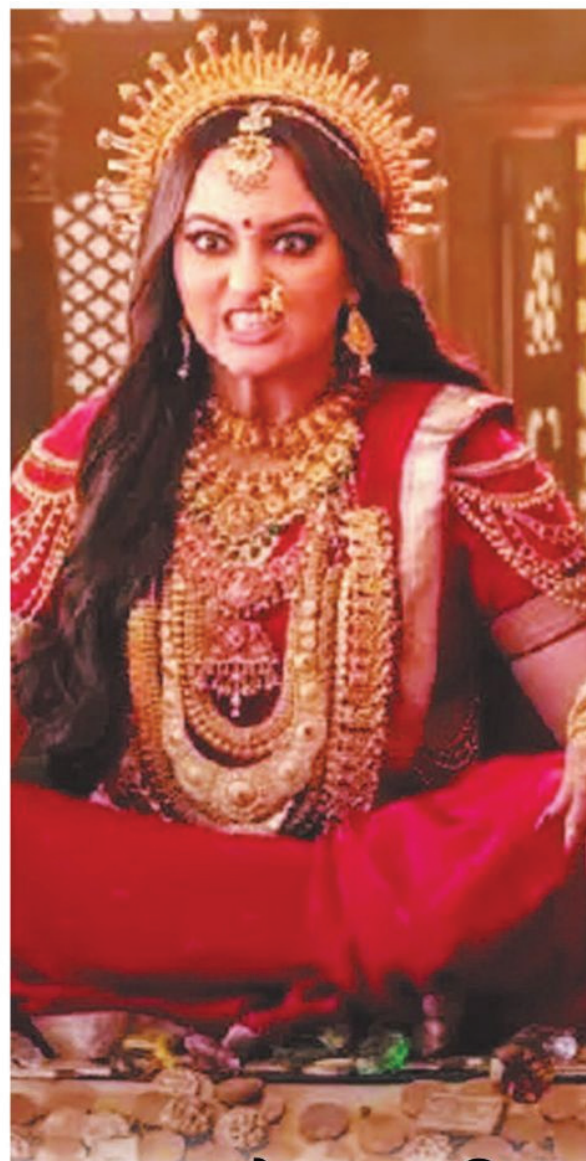
अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी अर्जुन रेड्डी से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। आईएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है?

इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, 'इमानदारी से कहूँ तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूँ, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूँ। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया।

उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूँ। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ।

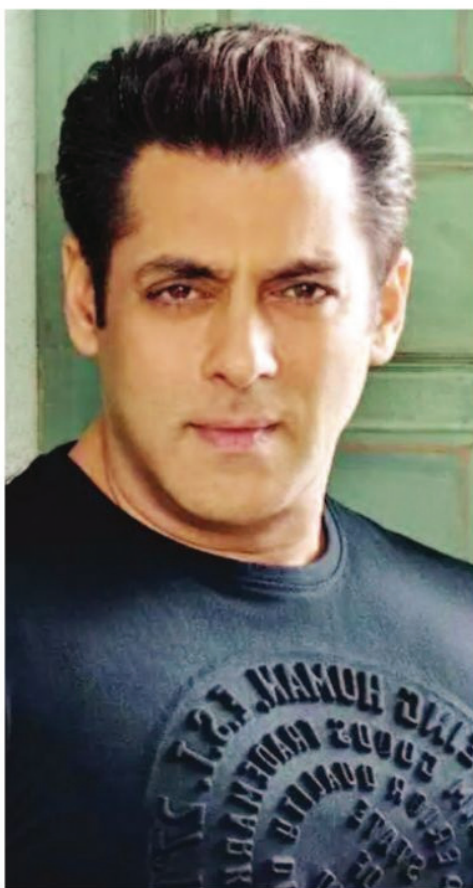
बता दें कि शालिनी पांडे ने अर्जुन रेड्डी में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज', और '118' जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी है।



जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टैकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रही सोनाक्षी सिन्हा बड़े पद पर पहली बार खलनायिका के रूप में नजर आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को

लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोजिट सुधीर बाबू नजर आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।



मुंबई में शुरू होने जा रहा है बैटल ऑफ गलवान के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग चित्रांगदा भी करेंगी ज्वाइन

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

अक्टूबर से शुरू होगा मुंबई शेड्यूल
रिपोर्ट के मुताबिक बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन का रेकॉर्ड कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा

लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बदला सलमान का लुक

लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूँछ शेव कर वलीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए। फैंस को सलमान का यह नया अंदाज देखकर फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

पिछली फिल्म फ्लॉप, इस बार दांव बड़ा

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। यही कारण है कि अभिनेता इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। सुत्रों का कहना है कि सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर सीक्वेंस पर बारीकी से काम कर रहे हैं ताकि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पद पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्में के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैंस को पहले लुक का इंतजार

मुंबई शेड्यूल शुरू होने की खबर के बाद सलमान के फैंस सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हर किसी को इंतजार है कि आखिरकार कब सलमान खान का मिलिट्री अवतार पद पर सामने आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मेकर्स 2026 की शुरुआत में इसका पहला टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।





मशरूम की खेती

मशरूम की उपयोगिता

भारत में मशरूम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉशचयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पद्धतियों की शुरुआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पोन रन) 220-280 डिग्री सें, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से ; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संचातन सबस्ट्रेट के दौरान मिला चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः-100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑप्रेस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :-प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. पलोरेडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊंचाई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्टूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊंचाई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्टूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

- धान के तिनके – फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।
- 400 गेज के प्रमाण की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट – एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।
- लकड़ी के सांचे – 45इं३0इं१5 से.मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भीसिरा या तला न हो, पर 44इं२9 से.मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।
- तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

- तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)
- जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रसिसायां
- टाट के बोरे
- स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
- एक स्प्रेयर
- तिनकों के भंडारण के लिए शेड
- 10इं४8 मी. आकार का।

स्पानिंग



प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकड़ों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूत्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफलोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेटो को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समयजल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अतः, इन सबस्ट्रेट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए सपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्रियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से/उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो इं१100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू

व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उदामायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का प्लास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नहीं है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एवं पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 13.0X25X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकड़ों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए।

इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय ख़बर की टयूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा ख़बर की टयूब से ढक्कन की नैमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोड़ी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर

सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेशा पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अतः जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवश्यकों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के ब्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा केंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

- हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते हैं।
- नियंत्रण : फॉर्मलिन घोल में कण्डे को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

- मक्खियां : देखा गया है कि स्केरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।
- नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिड़कियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।
- कूटकी : ये बहुत पतले एवं रंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुते के शरीर पर दिखाई देते हैं। ये हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।
- नियंत्रण : घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।
- शमूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैकटीरिया फसल के गुणवता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।
- नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।



स्वास खबर...

अवैध शराब बिक्री पर डोंगरगांव पुलिस सख्त कार्यवाही



राजनांदगांव

दिनांक 07.10.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग, अति0पुलिस अधीक्षक महोदय राहुल देव शर्मा एवं एसडीओ पी महोदय डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी कृष्णा पाटले के नेतृत्व में अवैध शराब पर लगातार कार्यवाही हेतु ग्राम घुघवा निवासी प्रीतम साहू नामक व्यक्ति घुघवा खार धान मंडी के पीछे मुक्तीधाम के पास प्रीतम साहू शराब रखकर अवैध रूप से बिक्री करने के लिये ग्राहक का इंजार कर रहा है कि सूचना मिलने पर हमराह स्टाफएवं गवाहान के मौक घटना स्थल हेतु खाना होकर मौके घटना स्थल पहुंच कर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया कार्यवाही किया गया जिसके पास से 180 पीवा शोले देपी शराब कीमती 14400 रुपये एवं शराब बिक्री रकम 400 रुपये कुल जुमला कीमती 14800 रुपये को बरामद कर समक्ष गवाहान के जस कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर ज्युडिस्यल रिमांड भर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेप किया गया जो जेल दाखिल किया गया। एक अन्य अपराध में गजाधर सोनकर निवासी बरसन टोला के पास से 16 नग देशी पाव शराब मिलने पर 34(1) की कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही में थाना डोंगरगांव के प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले, उप निरीक्षक वीरेन्द्र मनहर, प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख,आरक्षक चन्द्रकांत सोनी, आरक्षक चन्द्रप्रकाश हर्मुख का कार्य सराहनीय रहा।

म्युनिसपल स्कूल परिसर में बने अवैध दुकानों की नीलामी तत्काल निरस्त करें: कुलबीर

राजनांदगांव



म्युनिसपल स्कूल आत्मानंद स्कूल के पूर्व गांधी सभागृह पर नगर निगम द्वारा बनाए गए निगम विरूद्ध अवैध दुकानों की नीलामी को लेकर पूर्व पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा ने निगम आयुक्त को लिखित ज्ञापन सौंपकर तत्काल नीलामी को निरस्त करने की मांग कर स्कूल को सौंपने की कार्यवाही करने की मांग की है। उससे पूर्व राजपत्रित आदेश का हवाला देते हुए निगम को दुकानों की नीलामी के संबंध में लिखित पत्र देकर जानकारी दी गई थी। नगर निगम अवैध नीलामी करके नागरिकों को परेशानी डालने जा रहा है नीलामी में जो भी दुकान खरीदता है उसको कानूनी अड्चन के कारण उनको भी कोर्ट का सामना करना पड़ सकता है। लिखित में सौंपे ज्ञापन में श्री छाबड़ा ने बताया कि पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग सचिव विवेक ढांड द्वारा 10.12.2002 आदेश क्रमांक 1793/2017 पर्या.न.प्र/2002 के राजपत्रित आदेश के आदेशानुसार शैक्षणिक संस्थाओं के परिसर एवं उसके आसपास किसी भी दशा में दुकानों की अनुमति नहीं दी जायेगी। जब नगर निगम की अधिनस्त व्यवसायिक परिसर की भूमि नहीं है तो निगम द्वारा बनाए गए व्यवसायिक परिसर नियम विरूद्ध एवं पूर्णत अवैध निर्माण व नगर निगम द्वारा निर्माण कार्य में व्यय की गई राशि आर्थिक अनियमिता है। वर्तमान में संचालित आत्मानंद स्कूल के पूर्व गांधी सभागृह स्कूल परिसर की संपूर्ण जगह शिक्षा विभाग को हस्तंतरण होना जहां तक बचा है अब स्कूल परिसर की भूमि पर नगर निगम का अधिकार नहीं है। जबकि स्कूल में कम्परे और जगह की कमी के कारण लैंब की जगह छोटी पड़ती है और निगम द्वारा कराए अवैध निर्माण स्कूल के लैंब से जुड़े हुए है। यह निर्माण स्कूल में समायोजित होने से विद्यार्थियों के लिए हो रही कमी को पूरा किया जा सकता है। वर्तमान में यहां पर लगभग 1310 विद्यार्थी अध्यापन कर रहे हैं। यह निर्मित कम्परे स्कूल को आर्बटित किया जा सकता है। म्युनिसपल स्कूल वर्तमान में चल रहे आत्मानंद स्कूल के पूर्व गांधी सभागृह स्कूल परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है जो कि डेंजर ज़ोन में आता है, जहां पर आये दिन दुर्घटना होना सामान्य सी बात है, ऐसी जगह पर व्यवसायिक परिसर पूर्णता गलत है।

एम्स ने दी देश को सेहत की सीख झू सही पोषण से बनेगा स्वस्थ भारत

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली के जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर ने राष्ट्रीय



पोषण माह 2025 (12 सितंबर से 11 अक्टूबर) पूरे उत्साह के साथ मनाया। इस साल की थीम संतुलित आहार और निवारक पोषण के माध्यम से स्वस्थ समुदायों का निर्माण रही, जिसमें आहार की भूमिका को न केवल तेज़ रिकवरी बल्कि लंबे समय तक स्वस्थ जीवन और मस्तिष्क विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था—मरीजों, उनके परिजनों, अस्पताल स्टाफ और बच्चों को संतुलित आहार अपनाने की प्रेरणा देना। इस दौरान अस्पताल ने विविध गतिविधियों के माध्यम से संदेश दिया कि सही पोषण ही स्वस्थ भारत की नींव है। माह भर की प्रमुख गतिविधियाँ: मरीजों और परिजनों के लिए पोषण जागरूकता सत्र अस्पताल स्टाफ के लिए शैक्षणिक वार्ता स्कूली बच्चों हेतु इंटरैक्टिव प्रोग्राम व प्रतियोगिताएँ अस्पताल परिसर में पोस्टर, पंपलेट और डिस्प्ले कैपेन तेल और वसा का सच एम्स का संदेश सही तेल का चुनाव, लंबी उम्र का उपहार स्वस्थ वसा: असंतुप्त वसा जैसे जैतून, सरसों, सूरजमुखी, मूँगफली और सोयाबीन तेल, मेवे और मछली।

नशीली दवाई सप्लाई करने और बेचने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार, सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

राजनांदगांव

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव मोहित गर्ग (भा0पुस0) के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा0पुस0) राजनांदगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में अवैध रूप से गांजा, शराब नशीली दवाईयों टेबलेट के बिक्री के खिलाफलमातार अभियान चलाया जा रहा है।

दिनांक 07.10.2025 को विश्वस्त सूत्रो से सूचना मिला कि ट्रक क्रमांक सी0जी0 08 ए0एस0- 8158 के चालक किशोर सिन्हा महाराष्ट्र से नशीली टेबलेट लाकर राजनांदगांव में बिक्री करता है, आज महाराष्ट्र से नशीली टेबलेट लेकर आ रहा है। कि सूचना पर तत्काल थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल पुलिस राजनांदगांव की संयुक्त रूप से टीम गठित कर न्यु चंद्रा कॉलोनी के पास जी0ई0 रोड़ किनारे राजनांदगांव में नाकेबंदी कर ट्रक

शासकीय प्राथमिक शाला पुरेना में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान

राजनांदगांव

छुईखदान दुशासकीय प्राथमिक शाला पुरेना संकुल केन्द्र धिरधोली विकास खंड छुईखदान जिला केसीजी छत्तीसगढ़ में दिनांक 07 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025/2026 सामाजिक अंकेक्षण हेतु 20 प्रश्नावली के आधार पर सहायक सामग्री,संकेतक,लर्निंग आउटकम,अनुलनन के आधार पर तैयार प्रश्नावली द्वारा बच्चों की पूर्व और वर्तमान ज्ञान को उनके अनुभव के आधार पर समझने का प्रयास किया गया इस प्रश्नावली में 20 प्रश्न पहले से कक्षा अनुरूप तैयार किया गया था जिसमें विद्यार्थी की अभिव्यक्ति कौशल, पाठ्य सामग्री,अनुमान लगाना,अंग्रेजी भाषा की समझ एवं दैनिक जीवनचर्या में उपयोग, स्वच्छता,मध्यान्ह भोजन एवं मौनु,गणित की समझ के अंतर्गत जोड़,घटाव, गुणा, भाग,मुस्कान पुस्तकालय, उपस्थिति दर्ज,बस्ता



क्रमांक सी0जी0 08 ए0एस0- 8158 आते दिखाई देने पर उसे रोककर ट्रक के चालक एवं ट्रक में सवार 01 व्यक्ति को नीचे उतार कर नाम व पता पुछने पर अपना नाम 01. किशोर सिन्हा, 02. किशन सेन बताये, जिनके तलाशी लेने पर दोनों व्यक्ति के जेब

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया शरद् पूर्णिमा उत्सव

राजनांदगांव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने राजनांदगांव नगर के किलापारा बस्ती में शरद् पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया। यह उत्सव स्थानीय श्री बाला बाबा मंदिर, सोनारपारा, दिग्विजय कॉलेज रोड में आयोजित किया गया। समय और उपस्थिति: कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से 10 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के कई प्रमुख पदाधिकारी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संगठन मंत्री: क्रीड़ा भारती के कौशलेंद्र जी उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख पदाधिकारी: संघ के प्रमुख पदाधिकारियों में विष्णु साव जी, अनीस घोटकर जी, अरुण भास्कर गुप्ता जी, बस्ती प्रमुख अनिल नागवंशी जी, बस्ती प्रमुख नितिन शुक्ला जी, मनोज निर्वाणी जी, शशांक निर्वाणी जी, केशव राव गनवीर जी, और दिवाकर वाजपेयी जी शामिल थे।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट स्थित कार्यालयों का किया निरीक्षण, विभाग प्रमुख एवं अन्य स्टाफ से कार्यों के संबंध में ली जानकारी

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालयों में पहुँचकर विभाग प्रमुख एवं अन्य स्टाफ से कार्यों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कार्यालय में साफ-सफाई रखने तथा व्यवस्थित तरीके से फ़ाईल एवं रिकार्ड संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों में संधारित की जा रही पंजी एवं ई-ऑफ़िस के कार्यों का भी अवलोकन किया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव आधार सेवा केन्द्र में आधार कार्ड बनवाने एवं आधार अपडेशन के लिए आए जनसामान्य से रूबरू हुए और उनसे दी जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को लोकाहित में कार्य करते हुए शासन की योजनाओं के



तहत जनमानस को अधिक से अधिक लाभांशित करने के लिए कहा। उन्होंने जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति में लंबित कार्यों को पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक ऋण स्वीकृति देकर उद्यमिता विकास के लिए कार्य

करने कहा। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कोषालय, सांख्यिकीय, निर्वाचन शाखा, आपदा एवं राहत शाखा, भूमि रिकार्ड, नजूल जांच न्यायालय, खनिज शाखा, उद्यानिकी, सहायक भूमि संरक्षण, आबकारी विभाग, छात्रवृत्ति शाखा,

जिला शहरी विकास अभिकरण, भू-अभिलेख शाखा, भू-अर्जन शाखा, जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, पीएम स्वनिधि, अल्प बचत शाखा सहित विभिन्न विभागों का अवलोकन किया एवं

होगा योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन नवपदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा- सबके साथ मिलकर करेंगे काम

राजनांदगांव

जिले के नव पदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए अपनी प्राथमिकताओं को बताया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए सबके साथ मिलकर काम किया जाएगा।

नव पदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग में शामिल होने की वजह से वह आधा घंटा लेट सभागृह में पहुंचे। उन्होंने अपनी सहज, सरलता का परिचय देते हुए देर से आने के लिए पत्रकारों से क्षमा मांगा।



उन्होंने अपना परिचय देते हुए बताया कि वह वर्ष 2019 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं और रायगढ़ में जिला पंचायत सीईओ के बाद राजनांदगांव कलेक्टर के रूप में

उनकी पहली पोस्टिंग है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में विभागवार कार्यों के समीक्षा करेंगे और शासन की योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को लेकर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। 11वीं 12वीं के बच्चों को मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग को बेहतर व्यवस्था की जाएगी ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी कोचिंग का लाभ ले सकें।

मीडिया की अहम भूमिका

कलेक्टर यादव ने कहा कि मीडिया के पास ब्रेक और स्पीड का पावर है जिले के विकास को लेकर वह सीधे संपर्क कर अवगत करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी के साथ मिलकर काम करना मेरा

और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) एक्ट पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आज दिनांक 08.10.2025 को ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया जेल।

ज्ञात हो की पूर्व में भी डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा 02 प्रकरणों में 127 नग नशीली टेबलेट और थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 01 प्रकरण में 1499 नग नशीली टेबलेट जप्त किया गया। ओडिसा, बिहार से आरोपियों को गिरफ्तार कर नेटवर्क को तोड़ा गया है। इंड टू इंड की विवेचना की जा रही है। आगे भी नशीली दवाईयां टेबलेट, मादक पदार्थ गांजा, शराब बिक्री मे संलिप्त लोगों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी0 नंदकिशोर गौतम, उप निरीक्षक राधेश्याम जूरी, प्र0आर0 जी0सरील कुमार, आरक्षक राजेश साहू, जय कुमार कंवर, श्रीनिवास राव तथा सायबर सेल राजनांदगांव से उप निरीक्षक नरेश कुमार बंजारे, प्र0आर0 अनित शुक्ला, आर0 अमित सोनी, परिवेश वर्मा, जोगेश राठौर एवं थाना स्टॉफकी सराहनीय भूमिका रही।

डॉ. संजय को पुनः डॉक्टर विंग का प्रदेश अध्यक्ष एवं मोहम्मद यासीन को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया



लोगों को अपने विचार रखने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। शरद् पूर्णिमा का महत्व: देव कुमार निर्वाणी जी ने कहा कि यह परंपरा अमृत मंथन के समय अमृत कलश निकलने के बाद से चालू हुई है। वैज्ञानिक मत: वैभव निर्वाणी जी ने बताया कि इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब रहता है। स्वास्थ्य लाभ: नगर सेवा प्रमुख अरुण भास्कर जी ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश

डालते हुए बताया कि पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रोशनी में रखी खीर को अमृत रूपी माना जाता है, क्योंकि माना जाता है कि इसी दिन अमृत की बूँदें खीर पर गिरती हैं, जो शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होती हैं। कार्यक्रम के अंत में संघ की प्रार्थना हुई और सभी उपस्थित लोगों में खीर का वितरण किया गया। तथा कार्यक्रम का संचालन मनोज निर्वाणी ने किया।

डॉ. संजय को पुनः डॉक्टर विंग का प्रदेश अध्यक्ष एवं मोहम्मद यासीन को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया



संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है। सभी ने डॉ. वलवंद्रे और मोहम्मद यासीन जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में डॉक्टर विंग और अधिक सक्रिय होकर समाज सेवा एवं संगठन विस्तार में नई ऊँचाईयां प्राप्त करेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों पर भी होगा फोकस

कलेक्टर ने कहा कि तहसील स्तर पर राजस्व कैंप लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शहरी क्षेत्र में जो काम शुरू हैं उसे जल्द करने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा जल संसाधन के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। पंचायत स्तर पर पंचायत के रेवेन्यू को बढ़ाने की दिशा में भी काम होगा।

कलेक्टर ने कहा कि तहसील स्तर पर राजस्व कैंप लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शहरी क्षेत्र में जो काम शुरू हैं उसे जल्द करने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा जल संसाधन के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। पंचायत स्तर पर पंचायत के रेवेन्यू को बढ़ाने की दिशा में भी काम होगा।

खास खबर

आयुक्त ने फल मण्डी फटाका दुकान का स्थल परिवर्तन करने के दिए निर्देश



भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई जोन 03 मंदर टेरेसा नगर अंतर्गत टाटा लाईन फटाका दुकान, वेडिंग जोन सहित सेक्टर 02 तालाब का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निरीक्षण किया गया। निगम आयुक्त ने वार्ड क्रं. 36 फल मण्डी के सामने जी.ई.रोड पर अस्थायी फटाका दुकान लगाए जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया गया। दुकान का स्थल परिवर्तित करते हुए तीनदर्शन मंदिर या पावर हाउस लाल मैदान में अस्थायी फटाका दुकान लगाए जाने हेतु सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन को निर्देशित किए हैं। वार्ड क्रं. 37 में नया वेडिंग जोन बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसका आयुक्त द्वारा स्थल अवलोकन किया गया। उक्त स्थल को परिवर्तित करते हुए पावर हाउस मार्केट के पीछे वेडिंग जोन बनाने के संबंध में चर्चा की गई। आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए सेक्टर 02 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। तालाब की घांस कटिंग एवं साफ-सफाई कार्य जारी है। आवश्यक व्यवस्था करने एवं प्रकाश व्यवस्था का तत्काल संधारण किये जाने निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, सुपरवाइजर श्याम ठाकुर उपस्थित रहे।

बी.एड. प्रथम सेमेस्टर हेतु इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन



उतई

शिक्षक शिक्षा विभाग प्रिन्स स्कूल ऑफ एजुकेशन में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर हेतु इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षण-पेशे की मूलभूत समझ, शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम की संरचना तथा संस्थान की गतिविधियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रमुख श्री रूप्ते कुमार गुप्ता(चेयरपर्सन) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। नवप्रवेशी विद्यार्थियों को आशीर्वाद संबोधन करते हुए सर ने इंटरैक्शन के महत्व को विस्तार से समझाया। तथा प्रिन्स ग्रुप की डायरेक्टर ख्याति साहू मैडम और डायरेक्टर अशिम सर के द्वारा अनुशासन और सीनियर्स के आचरण से जूनियर्स संस्थान की संस्कृति और अनुशासन सीखते हैं पर बहुत सुंदर विचार व्यक्त किए। फर्मेसी की प्राचार्य सीमा मैडम ने अपने संबोधन में कहा एक अच्छा शिक्षक समाज की नींव होता है। तथा शिक्षा विभाग की प्राचार्य महोदया डॉ अंजना ने शैक्षणिक कैलेंडर एवं प्रायोगिक कार्यों का परिचय दिया तथा विद्यार्थियों को शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया तथा पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए।

राहुल तेजवानी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

तिल्दा



समाजसेवा और जनहित कार्यों में सदैव अग्रणी रहने वाले, तिल्दा के प्रतिष्ठित एवं बहु-चर्चित युवा सेवादार श्री राहुल तेजवानी को जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। राहुल तेजवानी अपने कर्मट स्वभाव, समाजिक समर्पण और सेवा भावना के लिए क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत के रूप में जाने जाते हैं। वे विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहते हैं, जिससे युवाओं में समाज के प्रति जागरूकता और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों और शुभचिंतकों ने राहुल तेजवानी के दीर्घायु, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनके जैसे ऊर्जावान युवाओं से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

गीत वितान कला केन्द्र को मिलेगा शांतिनिकेतन बोलपुर में राष्ट्रीय सम्मान

भिलाई। भिलाई में पिछले 32 वर्षों से कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय संस्था गीत वितान कला केन्द्र (स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स) को आगामी 12 अक्टूबर 2025 (रविवार) को शाम 6 बजे, बोलपुर शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल) में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर सेवा एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान संस्था को रवींद्रनाथ टैगोर के कला एवं संस्कृति के प्रसार से प्रेरित होकर, देशभर में कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जा रहा है। इस वर्ष यह सम्मान देश की छह चयनित संस्थाओं को दिया जाएगा, जिनमें छत्तीसगढ़ से एकमात्र संस्था के रूप में गीत वितान कला केन्द्र का चयन हुआ है। यह समारोह दक्षिण कोलकाता क्रोड़ा एवं संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन उत्सव 2025 के अंतर्गत संपन्न होगा। स्वर्गीय गिरा भाूमिक द्वारा स्थापित इस संस्था के प्रमुख सदस्य — मिथुन दास, श्रीमती रजनी सिन्हा, सोमेन कुंडू, सुशेंदु बागची, प्रदीप मित्रा, दिनेश सिन्हा, चंद्रा बैनर्जी, नीना बागची एवं रूमा कुंडू समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

गोपी चंदनानी उद्यान में प्रतिदिन निःशुल्क योग साधना- स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरक पहल

रायपुर

रायपुर। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, इसी भावना के साथ भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में स्व. गोपी चंदनानी गार्डन केंद्र, कटोरा तालाब-2 में पिछले पांच वर्षों से प्रतिदिन निःशुल्क योग साधना प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

यह योग साधना प्रतिदिन प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक अनुभवी योग शिक्षिकाओं — भारती माखीजा, कविता पंजवानी और अर्चना सिहानी — के मार्गदर्शन में कराई जाती है। इस केंद्र का संचालन



और देखरेख केंद्र प्रमुख श्रीमती मनीषा इसरानी एवं अशोक इसरानी द्वारा किया जा रहा है।

योग साधना सत्र में नियमित रूप से वरिष्ठ योग साधक मुकेश सोनी, राजेश अग्रवाल और राजेश डागा अपने अनुभव और सानिध्य से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हैं। संस्थान का उद्देश्य है कि हर नागरिक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहे। केंद्र प्रमुखों ने बताया कि जो भी नागरिक योग साधना से जुड़ना चाहते हैं, वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं।

श्रीमती मनीषा इसरानी – 9303977709, अशोक इसरानी – 9329477709 यह नियमित साधना सत्र जनकल्याण के भाव से पूरी तरह निःशुल्क आयोजित किया जाता है। सुबह की ताज़गी भरी हवा में योगाभ्यास करने से न केवल तन और मन को ऊर्जा मिलती है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता भी बढ़ती है। संदेश: करो योग, रहो निरोग — स्वस्थ समाज की ओर एक सुंदर पहल।

कलेक्टर सिंह ने धान खरीदी तैयारी की ली समीक्षा बैठक



दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग प्रधान कार्यालय के सभागार में धान खरीदी तैयारी के संबंध में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल, खाद्य विभाग के अधिकारियों को धान के फसल भौतिक सत्यापन करने निर्देशित किया गया। जिन किसानों ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर अपना पंजीयन नहीं कराया है, उनका शीघ्र पंजीयन करवाने तथा समिति में जाकर धान बेचने के लिए उनके नॉमिनी की जानकारी देना सुनिश्चित करने कहा गया है।

भिलाई में श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया गुरु रामदास जी का प्रकाश पर्व

भिलाई

भिलाई। सिख पंथ के चतुर्थ गुरु, श्रद्धेय श्री गुरु रामदास जी महाराज का प्रकाश पर्व गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी हाउसिंग बोर्ड और स्त्री सत्संग जथे द्वारा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे परिसर में भक्ति, सेवा और समर्पण का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।



सिख पंचायत भिलाई-दुर्ग के अध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह चहल और महासचिव गुरुनाम सिंह ने हाउसिंग बोर्ड गुरुद्वारा की नई प्रबंधक कमेटी की घोषणा की। सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को

सरोपा देकर सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर सिख यूथ सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष भाई इंद्रजीत सिंह (छोटू) और कोषाध्यक्ष भाई मलकीत सिंह को समाज सेवा और जनहित में किए

जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सरोपा देकर सम्मानित किया गया। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में समिति की ओर से कुल 1,23,370 की छत्रवृत्ति आठ मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की गई।

नगर पंचायत नगर उतई में हो रहे निर्माण कार्य पर निरीक्षण करने नेता प्रतिपक्ष द्वारिका साहू पहुंचे



उतई

नगर पंचायत उतई में पूर्व अध्यक्ष डिकेंद्र हिरवानी के कार्यकाल में स्वीकृत शौचालय निर्माण 17 लाख रुपए की राशि से अभी वर्तमान में हो रहे शौचालय निर्माण पर आज नगर पंचायत उतई के नेता प्रतिपक्ष द्वारिका साहू ने अचानक निर्माण कार्य की जांच करने पहुंचे जिस पर उसने गुणवत्ता एवं निर्माण हो रहे शौचालय की पानी तराई कॉलम बिंब ईट जोड़ाई पर सवाल उठाए निर्माण पर डाले जाने वाले रॉड कॉलम में गड़बड़ी

बताया श्री साहू ने बताया कि निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा कॉलम पर बिंब पर रिंग की दूरी डेढ़ फीट और एक फिट की दूरी पर बांधा है जो सही नहीं जिससे बिल्टिंग की मजबूती टिकाऊ नहीं होगा सही ढंग से शौचालय निर्माण नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल नगर पंचायत के इंजीनियर आशीष भारती को ठेकेदार पर कार्यवाही करने बोला गया आशीष भारती ने तत्काल ठेकेदार को फोन के माध्यम से निर्माण कार्य पर मिली शिकायत को तत्काल सुधारने को कहा गया।

इस्पात मंत्रालय की डिप्टी डायरेक्टर जनरल सुश्री संतोष का भिलाई इस्पात संयंत्र दौरा

भिलाई

इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार की डिप्टी डायरेक्टर जनरल (डीडीजी) सुश्री संतोष ने 8 अक्टूबर 2025 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा किया और इस्पात निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं का निकट से अवलोकन किया। निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र ने सुश्री संतोष का स्वागत इस्पात भवन में किया। तत्पश्चात उन्होंने संयंत्र भ्रमण का आरंभ में गेट स्थित सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर से किया, जहां उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (सेफ्टी एवं फ़ायर सर्विसेज) देवदत्त सत्यशी ने किया। इस अवसर पर सुश्री संतोष को संयंत्र भ्रमण हेतु आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस्पात निर्माण प्रक्रिया का किया अवलोकन



संयंत्र भ्रमण के दौरान डिप्टी डायरेक्टर जनरल (इस्पात मंत्रालय-भारत सरकार) संतोष के साथ मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेज) तुषार कांत, महाप्रबंधक एवं डीएसओ (एसएमएस-3) पुष्पा एम्ब्रोज़ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुश्री संतोष ने मॉडैक्स इकाइयों में विशेष रुचि प्रदर्शित की और ब्लास्ट फर्नेस-8, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 तथा यूनिवर्सल रेल मिल के संचालन का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लेट मिल, कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग तथा रोलिंग मिल प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल का सजीव दृश्य देखा, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में करूड स्टील के उत्पादन की प्रक्रिया को निकट से समझा तथा यूनिवर्सल रेल मिल में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल के रोलिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर हिन्द मजदूर सभा भिलाई में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित



भिलाई

हिन्द मजदूर सभा, भिलाई के सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके आदर्शों और देशहित में किए गए योगदान को

स्मरण किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय सचिव श्रीमती सावित्री मिश्रा, एस.पी. रथ, एवं वरिष्ठ समाजसेवी नेता अशोक पंडा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों पर चर्चा की।